इंडिया फाउंडेशन फौर द आर्टस् (IFA)

बिहार संग्रहालय

के सहयोग से चलाए जाने वाले

आयएफए-बिहार संग्रहालय रचनात्मक परियोजना के लिए

और

आयएफए-बिहार संग्रहालय वैचारिक परियोजना के लिए

(उन के आर्काईव्हज और म्युजियम कार्यक्रम के तहत, जिसे आयएफए संचालित करेगा)

आवेदन मंगा रहें हैं|

आवेदन भरने की अंतिम तिथि: **गुरुवार, फरवरी 16, 2023**

इंडिया फाउंडेशन फौर द आर्टस् (IFA), बिहार संग्रहालय के सहयोग से चलाए जानेवाले, **आयएफए-बिहार संग्रहालय रचनात्मक परियोजना के लिए** और **आयएफए-बिहार संग्रहालय वैचारिक परियोजना के लिए** (उन के आर्काईव्हज और म्युजियम कार्यक्रम के तहत, जिसे आयएफए संचालित करेगा) आवेदन मंगा रहें हैं|

आयएफए का आर्काईव्हज और म्युजियम कार्यक्रम दोहरी उद्दिष्टों के लिए शुरू किया गया है: कला चिकित्सकों और शोधकर्ताओं को, आर्काईव्हज और म्युजियम के साथ, सार्वजनिक जुड़ाव के लिए नए, महत्वपूर्ण और रचनात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करने का अवसर प्रदान करना; और संवाद और प्रवचन के मंच के रूप में इन स्थानों को सक्रिय करना| अधिक जानकारी के लिए यहाँ क्लिक कीजिए|

बिहार संग्रहालय के बारे में:

पटना स्थित बिहार संग्रहालय, देश का एक अनूठा संस्थान है, जिस का, 2015 में उद्घाटन किया गया और इस संस्था ने 21वीं सदी के भारत में संग्रहालयों की नई सोच लाने का प्रयास किया है। बिहार संग्रहालय का निर्माण उसी शहर की ऐतिहासिक पटना संग्रहालय के संग्रह से हुआ है और उस का मुख्य लक्ष्य बिहार क्षेत्र के लोग हैं। उस क्षेत्र की कलाकृतियों के अपने अजोड़ संग्रह के साथ, संग्रहालय का उद्देश्य अपने समुदाय और अन्य लोगों के लिए, इतिहास सुलभ बनाना ये भी है। बिहार संग्रहालय की गैलेरियों के दो मूल घटक हैं - इतिहास गैलरियां और कला गैलरी, जो प्राचीन काल के कलात्मक विरासत का, कला के कार्यों के रूप में, प्रतिनिधित्व करती हैं। संग्रहालय में बिहार के विभिन्न क्षेत्रों की जनजातीय कला, शिल्प और प्रदर्शन कला को समर्पित अलग अलग क्षेत्र हैं। संग्रहालय की संकल्पना है की विश्वस्तरीय स्थायी और अस्थायी वस्तुओं के साथ, और क्यूरेशन के नए तरीकों के साथ, ये बिहार के बच्चों और दुनिया भर के अन्य आगंतुकोंपर एक स्थायी शिक्षात्मक प्रभाव डालेगा।

संग्रहालय के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें: https://biharmuseum.org/

बिहार संग्रहालय के संग्रह के बारे में:

बिहार संग्रहालय मुख्यत: एक मानव इतिहास संग्रहालय है, जो प्रागैतिहासिक काल से लेकर समकालीन समय तक अपने क्यूरेटेड संग्रहों के माध्यम से इस क्षेत्र के इतिहास को प्रदर्शित करता है। संग्रहालय के संग्रह में कला वस्तुएं (पत्थर और कांस्य की मूर्तियां, लघु चित्र और थांगका), प्रागैतिहासिक वस्तुएं, मानवशास्त्रीय कलाकृतियां और सामाजिक इतिहास की वस्तुएं शामिल हैं। संग्रहालय, राज्य की पुरातात्विक खोजों में पाए हुए, सन 1800 के पूर्व की वस्तुओं की आधिकारिक भंडार के रूप में भी कार्य करता है। संग्रहालय में प्रदर्शित वस्तुओं और कलाकृतियों का संग्रह प्रारंभिक काल से लेकर 18वीं शताब्दी तक के प्राचीन पाटलिपुत्र और बिहार की कहानी सुनाता है।

रचनात्मक और विद्वतापूर्ण परियोजनाओं के लिए, संग्रहालय अपनी **क्षेत्रीय आर्ट गैलरी** से संग्रह उपलब्ध करेगा| बिहार संग्रहालय की एक नई गैलरी, इस राज्य की कला और कलाकारों को प्रदर्शित करती है। सबसे मशहूर मधुबनी पेंटिंग्स से लेकर इस इलाके के कम जानेमाने कला की प्रकारों तक, गैलरी, दर्शकों का परिचय अद्वितीय कलात्मक परंपराओं के साथ कराती है| सुजनी की कशीदाकारी वस्त्र परंपरा से लेकर बावन बूटी की बुनाई की परंपरा, कागज की लुगदी, लकड़ी और मिट्टी से बने पारंपरिक खिलौने आदि संग्रहालय की गई गैलरी में प्रदर्शित कलाकृति, असाधारण कौशल को दर्शाती हैं। पारंपारिक और पौराणिक कहानियों से प्रेरित ये कलाकृतियाँ संस्कृति की बहुलता का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो इस परिसर की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को अभिलिखित कर के संग्रहालय जाने वालों को शिक्षित करने का प्रयास करती हैं।

आयएफए-बिहार संग्रहालय की रचनात्मक और वैचारिक परियोजनाओं के बारे में:
रचनात्मक परियोजना, परियोजना समन्वयक को को क्षेत्रीय गैलरी के संग्रह के साथ क्यूरेटोरियल और कलात्मक जुड़ाव का अवसर प्रदान करता है, नए तरीकों से संग्रह की फिर से कल्पना करता है, लघु चित्र, एनीमेशन फिल्मों, पॉडकास्ट के माध्यम से कारीगरों और कलाप्रकारों के विकास पर ध्यान केंद्रित करता है; अन्य मल्टीमीडिया और ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों सार्वजनिक कार्यक्रमों से, जैसे की वार्ता, कार्यशाला, प्रदर्शनी आदि के माध्यम से परिणाम प्रस्तुत करते हैं।

वैचारिक की परियोजना के लिए, परियोजना समन्वयक को क्षेत्रीय गैलरी से संग्रह के साथ अनुसंधान और गंभीर रूप से संलग्न होने और संग्रह और कलाकारों पर वैचारिक परिणाम निर्माण करने की आवश्यकता होगी, जो संस्था के ज्ञान संग्रह को वर्णनात्मक सूची, मोनोग्राफ, निबंध और ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों तरह की सार्वजनिक कार्यक्रमों जैसे मूर्त परिणामों के साथ वर्धित करेगा।

दोनों परियोजनाओं की अवधि एक वर्ष की होगी।

परियोजना समन्वयकों को पटना में बिहार संग्रहालय में संग्रहों का दौरा, अध्ययन और शोध करना आवश्यक होगा। परियोजना समन्वयकों को परियोजना अवधि के दौरान ऊपरोल्लिखित विशिष्ट सामग्रियां और संग्रहालय के सहायक संसाधन उपलब्ध होंगे। संग्रहालय में उपलब्ध संग्रह और शोध संसाधनों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया moumitagrc23@gmail.com पर मौमिता घोष, क्यूरेटर, क्षेत्रीय गैलरी से संपर्क करें।

कृपया ध्यान दें कि आयएफए दोनों परियोजनाओं को चलाएगा।

आवेदक के बारे में:

- हम क्यूरेटरों, कलाकारों, शोधकर्ताओं, लेखकों, कलाकारों के साथ-साथ अन्य रचनात्मक चिकित्सकों से आवेदन मांगते हैं; और अनुसंधान में पार्श्वभूमि वाले विद्वानों जो अभिलेखीय और संग्रहों के साथ काम करने में गहरी रुचि रखते हैं।
- रचनात्मक परियोजना के लिए, हम ऐसे आवेदन को प्रोत्साहित करते हैं जो कलात्मक रूप से पूरे संग्रह के साथ जुड़ सकें। हालांकि, ये अनिवार्य नहीं है और आवेदक संग्रह के किसी विशिष्ट कलारूप पर भी ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।
- हम उन अनुप्रयोगों को भी प्रोत्साहित करते हैं जो एक से अधिक विषयों के सहयोग का दृष्टिकोण रखते है और उनके परिणामों के लिए कार्यप्रणाली के माध्यम से सोचने की क्षमता प्रदर्शित करते हैं।
- सिर्फ भारतीय नागरिक आवेदन करने के लिए पात्र हैं। हमारे पात्रता मानदंड के बारे में अधिक जानने के लिए, कृपया यहां क्लिक करें।

आवेदन दिशानिर्देश:

आपके आवेदन में निम्नलिखित जरूर शामिल होना चाहिए:

- परियोजना का संक्षेप में वर्णन करने वाला प्रस्ताव (एक प्रदर्शनी, या रचनात्मक परिणामों की रूपरेखा, जिसकी कोई कल्पना कर सकता है, या यदि यह एक वैचारिक परियोजना है तो किसी तरह के अनुसंधान प्रश्न) जिसे ऊपर वर्णित दृश्य और पाठ्य सामग्री से विकसित किया जा सकता है। विवरण में दृष्टि, दृष्टिकोण और संभावित परिणाम शामिल होने चाहिए। गैलरी से विभिन्न संग्रहों को ओवरलैप करने वाली सामग्रियों के साथ काम करने वाले प्रस्तावों को प्रोत्साहित किया जाता है।
- सामग्री से विकसित किए जा सकने वाले अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों पर एक संक्षिप्त नोट।
- आप का प्रस्तावित खर्चा।

- एक क्यूरेटर, कला व्यवसायी, या शोधकर्ता के रूप में आप जिस परियोजना में शामिल रहे हैं, उसके संक्षिप्त विवरण के साथ आपका बायोडाटा। इस विवरण में उस परियोजना के परिणामस्वरूप दृष्टि, दृष्टिकोण, प्रक्रियाएं और परिणाम शामिल होने चाहिए। **कृपया हमें लिंक भेजें न कि अटैचमेंट।**

परियोजना का बजट:

- परियोजना का खर्चा २ लाख रूपये से ज्यादा नहीं हो सकता।
- आप परियोजना की संपूर्ण अवधि के लिए रु. 1,44,000/- की सीमा के अधीन प्रति माह रु. 12,000/- के मानदेय का बजट बना सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि कुल राशि मानदेय सहित है।
- हमारा फंड केवल परियोजना से संबंधित लागत और गतिविधियों को कवर करेगा और बुनियादी ढांचे की लागत या उपकरण खरीद के लिए भुगतान नहीं करेगा।
- कृपया सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बजट श्रेणी परियोजना-संबंधी किसी विशिष्ट खर्चे से संबंधित है।

कृपया ध्यान दें की आप बतौर परियोजना समन्वयक, आयएफए के साथ इस परियोजना को लागू करेंगे।

प्रमुख तिथियां:

- आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि गुरुवार, **16 फरवरी, 2023** है।
- चुने गए उम्मीदवारों के साक्षात्कार **मार्च, 2023** में होने की उम्मीद है।
- परियोजना **एक वर्ष** की अवधि के लिए **मार्च 2023** में शुरू होगी।

निम्नलिखित विषय पंक्ति के साथ ritwika@indiaifa.org पर ऋत्विका मिश्रा को आप अपने आवेदन या किसी भी प्रश्न को ईमेल करें: Application for IFA-Bihar Museum Project